एक नजर में

हरियाली महोत्सव पर चौकी परिसर में किया पौधारोपण

नवभारत अमलाहा. हरियाली महोत्सव एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चौकी परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर चौकी प्रभारी चिन्मय मिश्रा, प्रेम सिंह ठाकुर, दयाराम, संजय चंद्रवंशी द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए. कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने की अपील की. कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना था, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण की नींव रखना भी था.

झमाझम बारिश के बीच हुए ताजिए विसर्जित

नवभारत आष्टा. मुस्लिम समाज का पवित्र पर्व मोहर्रम अलीपुर कस्बे में पूरी श्रद्धा और अकीदत के साथ मनाया गया. समाजजनों द्वारा ताजिया विसर्जन की परंपरा निभाई गई. इस अवसर पर हिंदू उत्सव समिति द्वारा ताजिया जुलूस का स्वागत कर सांप्रदायिक सौहार्द्र का उदाहरण प्रस्तुत किया. पुलिस प्रशासन द्वारा भी शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु उचित प्रबंध किए गए थे. थाना प्रभारी, पटवारी एवं पंचायत प्रतिनिधि भी उपस्थित थे. इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, युवाओं की टोली, समिति सदस्य एवं सभी धर्मों के लोग मौजूद रहे और एकता का संदेश दिया.

सहकारिता विभाग प्रागंण में किया पौधरोपण

नवभारत सीहोर. अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अन्तर्गत सोमवार को सहकारिता विभाग कार्यालय प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया. सुनील कुमार सक्सेना, आरएस रैकवाल, आरसी रैकवाल, अनुरूप सिंह ठाकुर, जतिन गाचले, अर्चना अग्रवाल, विनोद कुमार जैन, तेजसिंह ठाकुर, सीईओ मंयक भाबोर, मातादीन विश्वकर्मा, गोविन्द विश्वकर्मा, लखनलाल दोहरे, विजय यादव, अर्जुनसिंह वर्मा, शुभम त्यागी आदि की उपस्थिति में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया. इस अवसर पर श्री ठाकुर द्वारा कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से वृक्षों का वर्षा से घनिष्ट संबंध है. वृक्षारोपण हमारी महत्वाकांक्षाओं में समिलित रहना चाहिए. सोभा, सौन्दर्य, कला और सुसज्जा की दृष्टि से घर आंगन में बरामदे के आस पास आमतौर पर थोड़ी बहुत कच्ची जमीन रहती है, उसमें फूल व फलदार वृक्ष लगाए जा सकते हैं.

बिजली कंपनी और तहसील का किया घेराव

श्यामपुर में घेराव करने पहुंचे ग्रामीणों ने कहा स्मार्ट मीटर के नाम पर कंपनी कर रही उनका आर्थिक शोषण

सीहोर. स्मार्ट मीटर के विरोध में श्यामपुर तहसील के आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली कंपनी का घेराव कर प्रदर्शन किया.

- प्रदर्शन करने वालों में अनेक महिलाएं भी थीं शामिल
- स्मार्ट मीटर लगाना बंद नहीं किए तो होगा आंदोलन

नवभारत न्यूज

सीहोर/श्यामपुर. स्मार्ट मीटर को लेकर शुरू हुआ विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है. पिछले सप्ताह जिला मुख्यालय पर शहर कांग्रेस ने कोतवाली चौराहे पर बिजली कंपनी और स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया था, वहीं सोमवार को श्यामपुर तहसील मुख्यालय पर आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली कंपनी का घेराव कर दिया. घेराव करने पहुंचे ग्रामीणों का कहना था कि स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर बिजली कंपनी जनता से लूट कर रही है. यह स्मार्ट मीटर इतनी रीडिंग बना रहे हैं कि बिल जमा करना उनके बूते की बात नहीं रही है.

जब से बिजली कंपनी द्वारा जिले में मीटर लगाने का काम शुरू किया है तब से ही लोगों में तीव्र आक्रोश का माहौल बना हुआ है. लोगों का कहना है कि जब से स्मार्ट मीटर लगे हैं तब से उनके घर अनाप- शनाप राशि के बिल आ रहे हैं. इन्हें जमा करने में उनके घर का बजट गड़बड़ा रहा है तो कई गरीब ग्रामीणों को तो कर्ज लेकर बिल अदा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. नतीजतन ग्रामीणों में स्मार्ट मीटर को लेकर आक्रोश का माहौल बना है. इसी तारतम्य में सोमवार को श्यामपुर तहसील मुख्यालय पर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष रामनारायण शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग राम चौक पर एकत्रित हुए. यहां से सभी बिजली कंपनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आधा किमी दूर बिजली कंपनी कार्यालय पहुंचे और कंपनी दफ्तर का घेराव कर स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध प्रदर्शन किया. करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद बिजली कंपनी के सहायक यंत्री लखन दुबे को ज्ञापन सौंपा, लेकिन अधिकारी द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने से असंतुष्ट होकर कई महिलाएं नाराज होकर तहसील कार्यालय पहुंच गईं. महिलाओं द्वारा किए जा रहे हंगामे की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी संध्या मिश्रा बल के साथ वहां पहुंच गई थीं. इस मौके पर महिलाओं ने तहसीलदार से कहा कि वह गरीबी रेखा में जीवन यापन कर रही, फिर भी भारी भरकम राशि के बिल थमाए जा रहे हैं. यह स्थिति घरों में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बनी है.

श्यामपुर के आक्रोशित लोगों ने चेतावनी दी है कि अभी बिजली कंपनी का घेराव किया है, लेकिन जो मांग उन्होंने कंपनी के अफसर और प्रशासन के सामने रखी वह पूरी नहीं हुई तो अगला कदम आंदोलन का होगा. यदि जरूरत पड़ी तो उच्च स्तर पर भी शिकायत दर्ज कराने जाएंगे, फिर भी बात नहीं बनी तो सड़क पर उतरकर चक्काजाम करेंगे. उल्लेखनीय है कि बिजली कंपनी ने मीटर लगाने का ठेका एक निजी कंपनी को दिया है. मीटर लगाने के बाद से जो बिल आ रहे हैं उसमें भारी- भरकम राशि देखकर उनमें आक्रोश बना है.

स्मार्ट मीटर क्यों लगा रहे इसका नहीं है जबाव

बिजली कंपनी एई और तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि उपभोक्ताओं के घर पर जब पुराने मीटर ठीक स्थिति में लगे हैं तो नए स्मार्ट मीटर क्यों और किस के आदेश पर लगा रहे हैं। स्मार्ट मीटर पर तत्काल रोक लगे. जिन लोगों के घर स्मार्ट मीटर लगा दिए, वहां पुराने मीटर लगाकर हर महीने रीडिंग चैक की जाए. इस दौरान जो अंतर आता है उसके हिसाब से बिल की राशि लें, जिससे जनता को परेशानी नहीं हो. ग्रामीणों ने मांग की है कि अब तक बिजली कंपनी ने जिन उपभोक्ताओं से ज्यादा राशि वसूल की है, उसे अगले महीने आने वाले बिलों में समावेशित कर राहत दे.

बंदूकधारियों की मौजूदगी को लेकर हुआ था बवाल

जिला मुख्यालय पर भी स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में नाराजगी का माहौल बना हुआ है. लोगों में इतना आक्रोश है कि तीन युवकों ने कंपनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुए मीटर तोड़ दिए थे जिसके बाद से कंपनी ने कर्मचारियों को बंदूकधारियों की सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन इसे लेकर कांग्रेस ने कंपनी की तीव्र भर्त्सना करते हुए बंदूकधारियों को माला पहनाकर गांधीवादी तरीके से विरोध जताया था.

फफूंदनाशक दवा बेचने पर दुकान सील

आष्टा. नगर के कन्नोद रोड़ स्थित कीटनाशक दवा विक्रेता मेसर्स अंबिका पाटीदार ट्रेडर्स को अमानक फफूंदनाशक दवा बेचने पर सील कर दिया गया है. गौरतलब है कि विकासखंड के लगभग 115 से 120 किसानों ने सोयाबीन बीज के उपचार के लिए फफूंदनाशक दवा मेसर्स अंबिका पाटीदार ट्रेडर्स से खरीदी थी. इस दवा के उपयोग के बाद फसल में अंकुरण आया लेकिन पौधों में वृद्धि नहीं हो पाई. किसानों ने ज्ञापन दिया है कि क्षेत्र की लगभग 1500 एकड़ की सोयाबीन फसल नष्ट हो गई है. शिकायत की जांच के लिए कृषि विभाग ने सहायक संचालक के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी. जांच में टीम द्वारा शिकायत सही पाई गई. शिकायत सही पाए जाने पर दवा विक्रेता की दुकान मेसर्स अम्बिका पाटीदार ट्रेडर्स को सील कर दिया गया है. इसके साथ ही कृषि विभाग द्वारा संबंधित विक्रेता और निर्माता कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि जिन किसानों का नुकसान हुआ हैं उन किसानों से समन्वय स्थापित कर समस्या का निराकरण करें और 03 दिनों में विभाग को अवगत कराएं. निराकरण न करने की स्थिति में विक्रेता और निर्माता कंपनी के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी. गौरतलब है कि क्षेत्र में एक बार फिर खरीफ सीजन में कतिपय कीटनाशक विक्रेताओं द्वारा अमानक स्तर के कीटनाशक भोले भाले किसानों को बेचे जा रहे हैं, जिससे सोयाबीन के पौधों की बढ़वार नहीं हो पा रही है.

बूथ लेवल ऑफिसर्स को दिया प्रशिक्षण

सीहोर. भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के सुधार एवं बूथ लेवर ऑफिसर्स की शंकाओं का समाधान करने के उद्देश्य से जिले में सभी बीएलओ के प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं. इसी क्रम में आष्टा एवं इछावर में बूथ लेवल ऑफिसर्स के प्रशिक्षण आयोजित किए गए. प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी बीएलओ को मतदाता सूची में नाम जोड़ना, हटाना, संशोधन करना सहित अन्य बिंदुओं के बारे में विस्तार से जानकरी दी गई. इसके साथ ही सभी को बीएलओ के दायित्वों के बारे में भी बताया गया. प्रशिक्षण के पश्चात आयोग द्वारा बनाई गई लिंक के माध्यम से सभी बीएलओ की ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित कराई गई.

रात में हुई सीजन की सबसे तेज बारिश, कई नदी- नाले उफने

- जिले की सभी तहसीलों में औसत 2 इंच बारिश
- ग्रामीण क्षेत्रों के रपटों के ऊपर आए पानी से सड़क संपर्क टूटा

नवभारत न्यूज

सीहोर. बीती रात जिले में सीजन की सबसे तेज बारिश हुई. स्थिति यह थी कि जिले में 48.3 मिमी यानी कि करीब 2 इंच औसत बारिश रिकार्ड की गई है. सुबह कई गांवों के नदी- नालों का पानी रपटे के ऊपर से बहने के कारण आवाजाही बंद हो गई थी.

मौसम विभाग का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवातों का रास्ता बदल गया है. पहले ये चक्रवात तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश से होकर गुजरात की ओर जाते थे, लेकिन अब मध्यप्रदेश से होकर गुजरात की ओर जा रहे हैं, इसलिए पूरे प्रदेश में तेज बारिश हो रही है. सीहोर के भी सभी ब्लॉक में तेज भारी बारिश हुई. हालांकि अभी 24 घंटे और ऐसा ही मौसम बना रहेगा.

रविवार दिन में मौसम साफ रहा, यहां तक कि दोपहर के समय धूप भी निकली, लेकिन रविवार- सोमवार दरमियानी रात जिले में तेज बारिश हुई. रात में हुई बारिश ने पूरे जिले को पानी-पानी कर दिया. नर्मदा नदी में करीब 4 फीट तक जलस्तर बढ़ गया. वहीं जिले के सभी नदी-नालों में पहली बार उफान आया. हालांकि सोमवार को सुबह से मौसम साफ रहा, जिसके कारण नदी-नालों का उफान ज्यादा देर नहीं रुका. लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है जब पूरे जिले में एक जैसी बारिश हुई. यानि की हर जगह एक इंच से ज्यादा बारिश हुई है. आरएके कॉलेज स्थित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र के विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र सिंह तोमर ने बताया कि पश्चिम से हवा 15 किमी की रफ्तार से चल रही है. ऐसे में सोमवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. उन्होंने अगले 24 घंटे और तेज बारिश की संभावना जताई है. इसके बाद बारिश से राहत मिलेगी.

झूमकर बरस रहे बादल, 25 फीसदी कोटा पूरा

मानसून के 37 दिन बीत गए हैं, ऐसे में जिले में बारिश का कोटा 25.5 फीसदी पूरा हो चुका है. अभी बारिश के ढाई महीने से ज्यादा हैं. जुलाई और अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है. इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है. जिले की सामान्य औसत बारिश 1148.4 मिमी मानी गई है, जबकि अब तक जिले में 293.5 मिमी औसत बारिश हो चुकी है. पिछले साल अब तक जिले में 172.2 मिमी औसत बारिश ही हुई है. पिछले 24 घंटे के दौरान जिले में सबसे ज्यादा बारिश जावर क्षेत्र में हुई है. यहां 89 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है. इस साल अब तक की सबसे कम बारिश भी जावर में ही हुई है. इछावर में 65 मिमी, रेहटी में 53.2, बुदनी में 44, आष्टा में 42 मिमी, सीहोर में 35.1 मिमी, भैरूंदा में 33 मिमी व श्यामपुर में 25.1 मिमी बारिश दर्ज हुई है.

कांग्रेस नेता जायजा लेने पहुंचे तो बंद मिला स्कूल

- बुधनी तहसील के कई स्कूलों के हालात बद से बदतर
- सूने पड़े स्कूलों के प्रांगण में मंडराते हैं आवारा मवेशी

नवभारत न्यूज

बुधनी. नए शिक्षण सत्र में बमोरी तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में न तो समय पर खुल रहे हैं और न ही शिक्षक ही पहुंच रहे हैं. यह नजारा ब्लॉक के नारायणपुर में देखने को सोमवार को मिला. स्कूलों में हालत यह थी कि कई शालाओं में दोपहर में ताले लगे हुए थे.

सोमवार को कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल ब्लॉक के नारायणपुर गांव पहुंचे. जहां उन्होंने शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. दोपहर के समय ग्राम नारायणपुर का शासकीय हाई स्कूल बंद पाया गया और शिक्षक और बच्चे दोनों नदारद थे. स्कूल प्रांगण में सिर्फ नजर आ रहे थे तो वहां मवेशी ही थे. कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में स्कूलों की यह हालत है. स्कूल गौशाला बनकर रह गए हैं तो पूरे प्रदेश में क्या स्थिति होगी. यह सब इसलिए किया जा रहा है कि बच्चे पढ़ेंगे तो सवाल करेंगे. आज सप्ताह का पहला दिन है और स्कूलों में ताले लटके हुए हैं.

ऐसे में यह बात स्पष्ट हो गई कि जिले ग्रामीण स्कूलों की वास्तविकता जांचने के लिए विभाग के बीएसी, सीएसी सहित अन्य अधिकारी कितने गंभीर है. मामला बेहद ही गंभीर है. क्योंकि ग्रामीण इलाकों के कई स्कूलों में तो दिनभर स्कूल में ताला लटका रहता है. इस तरह की लापरवाही बच्चों के परिजनों पर तो महंगी पड़ती ही है, वहीं टीचर का रवैया भी अनुशासनहीनता की कार्रवाई को जन्म देता है. अब देखना यह है कि ऐसे शिक्षकों के के खिलाफ शिक्षा विभाग एक्शन लेगा.

पॉलिटेक्निक कॉलेज में रोजगार मेला आज

सीहोर. मंगलवार को नगर के शासकीय महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा. इस रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जाएगा. मेले में निजी क्षेत्र की एनआईआईटी एचडीएफसी, एक्सिस बैंक क्विज क्रॉप, शिव शक्ति एग्रीटेक, पुखराज हेल्थ केयर, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ रिलायबल फर्स्ट, एलआईसी, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, हंसिनी एंप्लॉयमेंट सर्विस आदि कंपनियों द्वारा 1750 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी.

तकनीकी प्रशिक्षण लेने किसानों का दल रवाना

- कलेक्टर ने भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- राजस्थान के अनेक स्थानों का भ्रमण करेगा कृषकों का दल

नवभारत न्यूज

सीहोर. कलेक्टर बालागुरू के ने उद्यानिकी तकनीकी के प्रशिक्षण के लिए 30 किसानों के भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

यह सभी कृषि राजस्थान के अलग-अलग स्थानों का भ्रमण करेंगे और उद्यानिकी तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे. इन सभी किसानों को कोटा के झालरपाटन स्थित उद्यानिकी महाविद्यालय, कोटा स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिट्रस, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल बूंदी, अजमेर स्थित राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान और अजमेर स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर अमरुद में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. राजहंस नर्सरी देवड़ाबाज एवं गुलाब उत्पादक कृषकों के प्रक्षेत्र का भ्रमण भी कराया जाएगा. इस दौरान सभी किसान फल, सब्जी, मसाला एवं पुष्प की खेती से स बधित नवीन तकनीक सीखेंगे और यह समझेंगे कि उद्यानिकी की नवीन तकनीकों को अपनाकर किस प्रकार आय में वृद्धि की जा सकती है.

स्टाप डायरिया व अभियान 22 से प्रारंभ

नवभारत न्यूज

सीहोर. 0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों को स्वास्थ्य सेवाएं देने दस्तक अभियान सह स्टॉप डायरिया अभियान का आयोजन 22 जुलाई से 16 सितंबर तक किया जाएगा. अभियान के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई.

कलेक्टर बालागुरू के ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे विकासखण्ड स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित सभी संबंधित विभागों की बैठक कर कार्ययोजना के अनुसार क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगबाड़ी कार्यकर्ता सहित सभी मैदानी अमले को अपने कार्य स्पष्ट रूप से ज्ञान होना चाहिए. उन्होंने प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण, दवाओं की उपलब्धता और वितरण की मानिटरिंग करने के निर्देश दिए. आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एएनएम का दल आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केन्दों पर बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेंगे. बैठक में सीएमएचओ सुधीर कुमार डेहरियों नेजानकारी दी. समुदाय में अभियान के दौरान बीमार नवजातों एवं बच्चों की पहचान, प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल बच्चों में कुपोषण की जांच एवं चिन्हित गंभीर कुपोषित एवं बीमार बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर किया जाएगा. 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में खून की कमी की जांच एवं गंभीर खून की कमी वाले बच्चों को उपचार के लिए रेफर किया जाएगा.

सैर सपाटा ▶ चट्टानों से बहते झरनों और पहाड़ों पर तैरते बादलों को देखने उमड़ रही भीड़

प्रकृति का सौंदर्य नजदीक से देखने पहुंच रहे मिडघाट

नवभारत न्यूज

बुधनी. मानसून के चलते क्षेत्र में बारिश के बाद बिखरी सौंदर्यता ने सैलानियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है. क्षेत्र में पहाड़ियों से बह रहे दूधिया पानी को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आ रहे हैं. यह नजारा सैलानियों के बीच हर्ष का विषय बना हुआ है.

बारिश के सीजन में एक बार फिर जिले के क्षेत्र में प्राकृतिक सौंदर्य अपने रंग बिखेर रहा है. जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं. एक सप्ताह से तेज बारिश का दौर नहीं चल रहा है और रुक-रुक कर कभी-कभी रिमझिम बारिश हो रही है. ऐसे में पहाड़ों से दूधिया पानी बह रहा है, जिसे देखने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं.

आमतौर पर कहा जाता है कि धरती पर यही यदि कहीं जन्नत है तो वह कश्मीर में है. लेकिन इन दिनों बारिश के सीजन में जिले का बुधनी क्षेत्र भी कश्मीर से कम नजर नहीं आ रहा है. यहां चारों और छाई हरियाली के बीच पहाड़ों से बहकर आने वाला दूधिया पानी प्राकृतिक झरनों के रूप में बह रहा है, जो लोगों को आनंदित कर रहा है. बल्कि अपनी और आकर्षित भी करता है. ऐसे सुंदर नजारे देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं.

मिड घाट पर स्थित प्राकृतिक झरना राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. पहाड़ों से बह रहा पानी देखने बड़ी सं या में लोग पहुंच रहे हैं, इसलिए पुलिस और वन विभाग द्वारा सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं. रविवार की शाम को सलकनपुर के नजदीक पहाड़ी के पास बादल कम ऊंचाई पर आकर लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गए थे. लोगों ने बादल के काफी नीचे होने पर चित्र भी मोबाइल में कैद किए हैं.

गुरू के अनुशासन का अनुसरण करें

नवभारत न्यूज

सीहोर. गुरु कभी किसी का बुरा नहीं चाहता हैं. गुरु का अनुशासन सदैव हितकारी होता है। गुरु का अनुशासन जीवन में रहे तो उसे चमकदार बना देता है. गुरु जो कहे, वह धारण, पालन और अनुसरण करें. अगर विश्वास और आस्था के साथ गुरु के एक शब्द का भी संबंध में आपके दिल और दिमाग से हो गया तो आपका जीवन सफल हो सकता है.

उक्त विचार कुबेरेश्वरधाम पर जारी श्री शिव महापुराण के तीसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे. उन्होंने कहा कि एक स्त्री का सबसे बड़ा गुरु उसका पति रहता है, जो उसकी रक्षा भी करता है और सही उपदेश भी देता है. स्त्री को अपने पति के मार्गदर्शन में चलने की बात कही है. पंडित श्री मिश्रा ने कहा कि गुरु के आसन का नहीं, गुरु के अनुशासन का अनुसरण करना चाहिए. इसका मतलब है कि हमें गुरु के उपदेशों को सुनना चाहिए. उनका पालन करना चाहिए और अपने जीवन में अनुशासन बनाए रखना चाहिए. गुरु का अनुशासन, या गुरु के मार्गदर्शन में अनुशासन, एक शिष्य के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है. गुरु एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जो शिष्यों को सही रास्ते पर चलने और जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं. गुरु के पद का स मान करने के बजाय, हमें उनके द्वारा सिखाए गए अनुशासन का पालन करना चाहिए. गुरु का पद तो स मान का पात्र है, लेकिन असली महत्व शिष्य के जीवन में अनुशासन का है.